



दीपों का त्योहार

दिवाली की शाम दीप जलाने का सही तरीका जानना बहुत महत्वपूर्ण है। दीपक जलाना सिर्फ एक रस्म नहीं है, बल्कि यह हमारे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने और अंधकार को दूर करने का एक तरीका है।

हि हिन्दू धर्म में दिवाली का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। दिवाली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन दीपक जलाकर लोग अंधकार को दूर करते हैं और अपने जीवन में प्रकाश लाते हैं। यह हमें सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। दीपक की रोशनी नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और हमारे घर को शुद्ध करती है। दीप जलाकर लोग देवी-देवताओं को प्रसन्न करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। दीपक की रोशनी से लोगों का मन शांत होता है और घर में सुख-शांति का माहौल बनता है।

दिवाली के मौके पर दीप जलाने से वास्तु दोष का भी निवारण होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। दिवाली की शाम दीप जलाने का सही तरीका जानना बहुत महत्वपूर्ण है। दीपक जलाना सिर्फ एक रस्म नहीं है, बल्कि यह हमारे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने और अंधकार को दूर करने का एक तरीका है।

- दीपक को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में जलाना शुभ माना जाता है।
- दीपक जलाते समय ओम या अन्य मंत्रों का जाप करें।
- आप जितने चाहें उतने दीपक जला सकते हैं, लेकिन 5, 7, 9, 21, 51, 108 की संख्या में दीपक जलाना शुभ माना जाता है।
- दीपक को शाम के समय जलाएं और दीपक जलाते

समय मन में सकारात्मक भावना रखें।

- दीपक से निकलने वाली रोशनी घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।
- दीपक की रोशनी नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है।
- सुख-शांति-दीपक जलाने से मन शांत होता है और सुख-शांति मिलती है।
- दीपक जलाने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- दीपक जलाने से वास्तु दोष का भी निवारण होता है।
- दिवाली की शाम दीप जलाने की परंपरा भारत में सदियों से चली आ रही है। यह सिर्फ एक रस्म नहीं है, बल्कि यह हमारे संस्कृति, धर्म और जीवन मूल्यों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। दीपक जलाना एक प्राचीन भारतीय परंपरा है। यह हमारे संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। दिवाली की शाम दीप जलाने की परंपरा हमारे जीवन में रोशनी और उम्मीद लेकर आती है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री

